Restrain : (1) निगृह्णाति, वि-, सं-, (ग्रह्, c. 9.), *r.ing anger by patience* : कोपं क्षमया निगृह्णन्, B. xii. 81. ; (2) यन्त्रयति, नि-, विनि-, सं-, (यन्त्र्, c. 10.), *I have r.ed my tongue so much* : एवं मया जिह्वा संयन्त्रिता, V. ii. ; (3) यच्छति, नि-, सं-, विनि- (यम्, c. 1.), *come and r. my horses* : एहि, मे त्वं हयान् यच्छ, Mah. iv. 38. 48. ; (4) रुणद्धि, नि-, सं-, अव-, (रुध्, c. 7. = to stop, oppose), *whose motion cannot be r.ed* : असंरुद्धगति (mfn.).

Restrainer : (1) नियन्तृ (f. न्त्री) ; (2) निग्रहीतृ (f. त्री) ; etc.

Restraint : I. In gen. : (1) यमः, सं-, नि-; (2) नि-यन्त्रणम्, -णा, वि-, सं-; (3) निग्रहः ; (4) रोधः, सं-, अव-, नि-. II. Restriction : q.v.

Restrict : निरुणद्धि (रुध्, c. 7.), *when my actions are thus r.ed by you on all sides* : आर्येणैवं सर्वतो निरुद्धचेष्टाप्रसरस्य, Mu. iii. : v. Also to restrain, limit.

Restriction : (1) निरोधः : v. Restraint ; (2) सीमा : v. Limit. Ph. : *without r.* : यथेच्छम्, (= at pleasure).

Restrictive : (1) निरोधिन् (f. नी) ; (2) by verb or circumlo.

Result (subs.) : (1) परिणामः, *this is the unfortunate r. of my quietude* : एष मे प्रशमस्य कर्कशः परिणामः, Vi. iii. ; (2) फलम् : v. Consequence, fruit ; (3) सिद्धान्तः (r. of reasoning).

Result (v.i.) : उत्पद्यते (पद्, c. 4.), *r.ing from the murder of Parvataka* : पर्वतकवधोत्पन्न (f. न्ना), Mu. i. : v. To proceed (III) ; (2) परिणमते, वि-, (नम्, c. 1.=to terminate), *it r.s from his own misdeeds* : आत्मन एव दुश्चरितमेतद्धि-परिणमयति, Vi. vii.

Resume (subs.) : सारः *or* सारसंग्रहः : v. Also epitome.

Resume (v.) : पुनर् *or* भूय आदत्ते (दा, c. 3.) : v. To take again. Ph. : *to r. an argument or discourse* : प्रकृतमनुसरति (सृ, c. 1.=to follow).

Resumption : (1) प्रत्याहारः ; (2) पुनरादानम् and sim. expr.s.

Resurrection : (1) उज्जीवनम्, प्रति- ; (2) मृतोत्थानम् after Ku. vii. 4.

Resuscitated : (1) उत्-जीवयति, सं-, प्रत्युत्- (c. of जीव्), *the animal kingdom was suddenly r.* : उदजीवत् सहसैव जीवलोकः, Si. xx. 39.

Resuscitation : (1) उज्जीवनम्, प्रति- ; (2) सञ्जीवनम्.

Retail : अल्पशः *or* पादशः विक्रीणीते (क्री, c. 9.).

Retail (subs.) : perh. अल्पशः *or* पादशो विक्रयः.

Retailer : i.e. retail-dealer : perh. पादकारः ; पण्यविक्रयिन् (m. ?), Ram. ii. 90. 18.

Retain : I. To keep, hold : q.v. : (1) धारयति, सं-, वि- (धृ, c. 10.), *boldness and ability to r.* (i.e. remember) : प्रागल्भ्यं धारयिष्णुता, Ka. i. 21. ; (2) न मुञ्चति (मुच्, c. 6.=not to leave : q.v.). II. To engage, hire : (मूल्यं दत्त्वा etc.) रक्षति (रक्ष्, c. 1.).

Retainer : I. Lit. : अनुगः (=follower) ; (2) अनुजीविन् (m.=dependent) ; (3) स्वपक्षः (=partisan) ; (4) भृत्यः (=servant). II. Retaining fee : *रक्षामूल्यम्.

Retaliate : प्रतिकरोति, *has come to r.* : प्रतिकर्तुमुपागतः, Ki. xii. 11. : v. Also revenge.

Retaliation : (1) प्रति(ती)कारः *or* -क्रिया ; (2) प्रत्यपकारः (in bad sense).

Retard : (1) विलम्बयति (c. of लम्ब्) : v. To delay ; (2) रुणद्धि (रुध्, c. 7) : v. To hinder, restrain.

Retch : perh. विवमिषति (desi. of वम्), *or* छर्दिरागच्छति (गम्, c. 1.: gen. of person). *R. ing* : विवमिषा (?) or by circumlo.

Retention : I. The act : expr. by verb. II. The faculty : धारणा.

Retentive : (1) धारणावत् (f. ती) ; (2) धारयिष्णु (mfn.). *R. memory* : (1) मेधा, *and has excellent r. m.* : मेधाविनी च, Mal. i. ; (2) धारयिष्णुता, Ka. i. 21.

Retentiveness : (1) धारणाशक्तिः ; (2) धारयिष्णुता.

Reticence : (1) मौनम् (silence) ; (2) संवृतिः (=reserve).

Reticent : मौनावलम्बिन् (f. नी=silent) ; (2) संवृत्तिमत् (f. ती=reserved).

Reticular, reticulated : जालाकार (f. रा) and sim. comp.s.

Retina : perh. दृष्टिः, "दृष्टिद्वयं कृष्णगोलौ, Bha.

Retinue : (1) परिजनः ; (2) परिवारः ; (3) परि-